

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 1

हिम्मत और जिंदगी

(रामधारी सिंह 'दिनकर' (1908-1974))

भाग – 2

कीर्ति बसुमतारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीनेवाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है।

बेखौफ : ভয় নোহোৱা

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্র শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।

साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है, जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है।

साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है।

मद्धिम : মৃদু रमा : ৰস লোৱা

झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिल्कुल अकेला होने पर भी मगन रहता है। अर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, जिंदगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता।

अर्नाल्ड बेनेट : ইংৰাজী সাহিত্যৰ লেখক (ইংলেণ্ড)
चुनौती : প্ৰত্যাহবান
निश्चय : সিদ্ধান্ত লোৱা
कबूल : স্বীকাৰ কৰা

बड़े मौके पर साहस नहीं दिखानेवाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज सुनता रहता है, एक ऐसी आवाज जिसे वही सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नहीं सकता। यह आवाज उसे बराबर कहती रहती है, "तुम साहस नहीं दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए।

कायर : ভয়াতুৰ

" सांसारिक अर्थ में जिसे हम सुख कहते हैं उसका न मिलना, फिर भी, इससे कहीं श्रेष्ठ है कि मरने के समय हम अपनी आत्मा से यह धिक्कार न सुनें कि तुममें हिम्मत की कमी थी, कि तुममें साहस का अभाव था, कि तुम ठीक वक्त पर जिंदगी से भाग खड़े हुए। जिंदगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोखिम का हर जगह पर एक घेरा डालता है, वह अंततः अपने ही घेरों

सकुशल : নিৰাপদে जोखिम : বিপদ (Risk)

के बीच कैद हो जाता है और जिंदगी का कोई मजा उसे नहीं मिल पाता, क्योंकि जोखिम से बचने की कोशिश में, असल में, उसने जिंदगी को ही आने में रोक रखा है।

जिंदगी से, अंत में, हम उतना ही पाते हैं, जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं। यह पूँजी लगाना जिंदगी के संकटों का सामना करना है, उसके उस पन्ने को उलट कर पढ़ना है, जिसके सभी अक्षर फूलों से ही नहीं, कुछ अँगारों से भी लिखे गए हैं।

अँगारों : এঙাৰ

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্র শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जिंदगी का भेद कुछ उसे ही मालूम है जो यह जानकर चलता है कि जिंदगी कभी भी खत्म न होने वाली चीज है। अरे ! ओ जीवन के साधको! अगर किनारे की मरी हुई सीपियों से ही तुम्हें संतोष हो जाए तो समुद्र के अंतराल में छिपे हुए मौक्तिक-कोष को कौन बाहर लाएगा? दुनिया में जितने भी मजे बिखेरे गए हैं, उनमें तुम्हारा भी हिस्सा है।

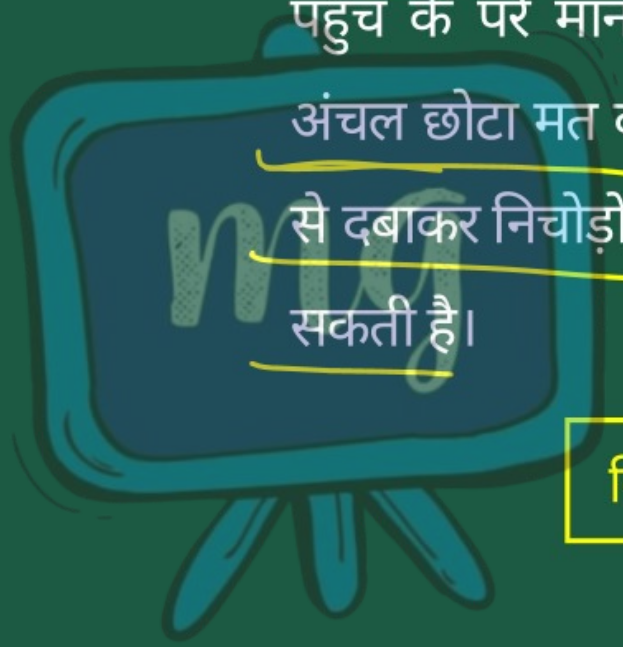
सीपिया : শামুকৰ খোলা संतोष : সন্তুষ্ট

अंतराल : গভীৰতা मौक्तिक-कोष : মুকুতাৰ ধন

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্র শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation

वह चीज भी तुम्हारी हो सकती है, जिसे तुम अपनी पहुँच के परे मान कर लौटे जा रहे हो। कामना का अंचल छोटा मत करो, जिंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो, रस की निर्झरी तुम्हारे बहाए भी बह सकती है।



निर्झरी : নিজৰা

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্ৰ শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation

यह अरण्य, झुरमुट जो काटे अपनी राह बना ले,
क्रीतदास यह नहीं किसी का जो चाहे अपना ले।
जीवन उनका नहीं युधिष्ठिर ! जो उससे डरते हैं।
वह उनका जो चरण रोप निर्भय होकर लड़ते हैं।

अरण्य : অৰণ্য
क्रीतदास : কৃতদাস
रोप : ৰোপন কৰা
निर्भय : ভয় নোহোৱা

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पाठ सार

प्रस्तुत पाठ हिम्मत और जिंदगी दिनकर जी का ऐसा ही एक विचारोत्तेजक निबंध है। इसमें लेखक ने कहा है कि जीवन में धूप में तपने वाला ही चाँदनी का आनंद ले सकता है। भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है। वस्तुतः लेखक ने एक अच्छी जिंदगी जीने की राह दिखाई है। अनेक ऐतिहासिक प्रसंगों से पाठ की रोचकता काफी बढ़ी है।

मूल्यांकन



1 | साहसी मनुष्य किसकी चिंता नहीं करता ?

A समय की

B घन की

C तमाशा देखने वाली की

मूल्यांकन



2 जीवन से भागने वाला व्यक्ति किससे बचता है ?

A सत्य

B जोखिम

C सफलता

मूल्यांकन



3 ‘जीवन के फल दोनो हाथों से दबाकर निचोड़ो’ का अर्थ है -

A जीवन का आनंद पूरी तरह लेना

B फल को फेंक देना

C जीवन से दूर भगना